

5

पञ्जावली पेश हुई । वही आदि उपानि
पञ्जावली से निर्गम श्रुत्युक्त से लिखवाया
जाकर शास्त्रिय पञ्जावली जिना गया ।
पञ्जावली के जल सुमार लेकर दक्षिण
दक्ष हो गया ।